आज का पुरुषार्थ 12 July 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आइये आज हम सब श्रेष्ठ स्वमानधारी बन जाये .. सिर्फ रटे नहीं .. उस सीट पर बैठे हुए स्वयं को मेहसूस करे "*

स्वमान की सीट सर्वश्रेष्ठ सीट है। इस सीट पर बैठने से समस्यायें सीट के नीचे दब कर नष्ट हो जाती है। स्वमान में स्थित आत्मा हर परिस्थिति को सहज ही पार कर लेती है।

स्वमान हमारी **श्रेष्ठ स्थिति का निर्माण करती है।** स्वमान हमारे अभिमान को नष्ट करता है। और जिन्हें सम्मान चाहिए वे भी स्वमान की अभ्यास करे। क्योंकि स्वमान में रहने से सम्मान भी परछाई की तरह पीछे पीछे चलता है।

तो आइये हम पूरा समय, पूरा **संगमयुग** स्वमान की सीट पर स्थित हो जाये। पहले इसके लिए मनुष्य को बहुत अच्छा **अभ्यास** करना होता है। बार-बार अभ्यास करना होता है।

" मैं एक महान आत्मा हूँ "

" मैं विश्वकल्याणकारी हूँ "

" मैं पूर्वज हूँ "

" मैं विघ्नविनाशक हूँ "

" मैं विजयीरतन हूँ "

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ "

" मैं फ़रिश्ता हूँ "

" मैं प्रकृति का मालिक हूँ "

" मैं पवित्रता का सूर्य हूँ "

यह सब हमारे स्वमान है। इन्हें feel करके इनके अनुभव करते चले। उसमें आ जाये ...

" मैं जहाँन का नूर हूँ "

" मैं बहुत महान हूँ "

" मैं सृष्टि का श्रृंगार हूँ "

तो अपने को माने। हम साधारण नहीं है। हम बहुत महान है। हम इस संसार के beauty है। इसलिए हमें वह सब नहीं करना है जो संसार के लोग कर रहे है।

हमें पुण्य कर्म कमाने है और मनुष्यों को देखकर या उनकी मर पर चलकर अपने स्वमान की सीट को नहीं भूला देना है।

" हम महान है .. हमारा जन्म ही महान कर्तव्य के लिए हुआ है .. हमें वही महान कर्तव्य करने है .. बाबा ने हमें सिलेक्ट किये है "

.. इस संसार को पवित्र बनाने के लिए .. सहयोग करने के लिए .. हमें वह महान कार्य करना है ..

लोग क्या कहते है, समाज क्या कहते है? जो इसको सुनते और देखते है वह अपने श्रेष्ठ स्वमान से और महान कर्तव्य से दूर चला जाता है।

तो आइये आज अन्तर्मुखी बने। अन्तर्मुखी बनकर बहुत गहराई से अपने स्वमान में स्थित हो जाये। **हम श्रेष्ठ स्वमानधारी है।**

स्वमान में स्थित होने से हमारे वायब्रेशन्स बहुत पावरफूल हो जाते है। हमारी स्थिति बहुत महान हो जाती है। हमारी सोई हुई शक्तियाँ जागृत हो जाती है। हमारी पवित्रता जो मर्ज थी वह इमर्ज होने लगता है।

और हमसे क्योंकि पावरफूल वायब्रेशन्स फैलते है इसलिए इन वायब्रेशन्स से समस्यायें आती ही नहीं और जो आती है वह जल्दी ही नष्ट हो जाती है। क्योंकि इनसे हमारी स्थिति अचल अडोल बनती है।

अपने अवश्य अनुभव किया होगा कि अपनी ही **स्थिति श्रेष्ठ होने से परिस्थितियाँ हमें खेल की तरह मेहसूस होती है**। तो क्या इस सीट पर बैठे रहना बहुत कठिन काम है?

यह हमारी अपनी सीट है। तो आइये आज सारा दिन स्वमान की सीट पर सेट रहे। पाँच स्वमान ले ले।

" मैं एक महान आत्मा हूँ "

" मैं विजयी रतन हूँ "

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ "

" मैं प्रकृति का मालिक हूँ "

" मैं पवित्रता का फ़रिश्ता हूँ "

बार-बार इन्हें याद करेंगे और इनको फ़ील करेंगे .. सचमुच मैं यह हूँ ....

और बींच बींच में अपना विज़न देखेंगे ..

" मैं एक ऊंची सिंहासन पर विराजमान हूँ .. राजा हूँ .. चारो ओर मुझसे वायब्रेशन्स फैल रहे है "

... जैसे कि मैं प्रजा की पालना कर रही हूँ ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org